डालफिन

मीठी भाषा

MEETHEE BHASHA

TWO Way Reader

DOLPHIN® Primary Books

4

With meanings in English

10 प्रकृति का संदेश

पर्वत कहता शीश उठाकर,
तुम भी ऊँचे बन जाओ।
सागर कहता है लहराकर,
मन में गहराई लाओ।
समझ रहे हो, क्या कहती है,
उठ-उठ, गिर-गिर तरल तरंग?
भर लो-भर लो अपने मन में,
मीठी-मीठी मृदुल उमंग।
पृथ्वी कहती, धैर्य न छोड़ो,
कितना ही हो सिर पर भार।
नभ कहता है फैलो इतना,
ढक लो तुम सारा संसार।

– सोहनलाल द्विवेदी

शब्दार्थ (Word Meaning)

पर्वत (parvath)	–	mountain	नभः (nabh)	–	sky
सागर (saagar)	–	ocean	संसार (sansar)	–	world
पृथ्वी (prithvi)	–	earth	शीश (shish)	–	peak of the mountain

13 पतंग

आसमान की रानी हूँ मैं,
पतंग बोली डोरी से।
डोरी तुझको सैर कराऊँ,
झूम-झूमकर बोली पतंग।

मैं डोरी हूँ तुझको उड़ाऊँ,
भूल न जाना अरी पतंग।
मेरे बिन तू कब उड़ सकती,
मत इठलाना तू अरी पतंग।

आपस में मत झगड़ो तुम,
चुन्नू-मुन्नू बोले, सुनो पतंग।
इक दूजे के बिना अधूरे,
खाली डोरी, खाली पतंग।

अंबर ही तो खेली स्थल है,
बिना अंबर के डोर-पतंग।
अंबर में भी न उड़ पाएँ,
हवा बिना री, डोर-पतंग।

डालफिन

Get the complete series..

DOLPHIN® Primary Books

Designed, Printed & Published By :

Sekar Publishers

An ISO 9001:2000 Certified Company

3/1078/2, Meenampatti, Sattur Road,

Sivakasi - 626189 Tamilnadu - India.

Tel : +914562 274132

Email: sekarpublishers@gmail.com

Log on to: www.dolphinprimarybooks.com

ISBN 978-93-83753-37-6